an>

Title: Need to undertake measures for desiltation and beautification of Anna Sagar Lake and Pushkar Sarovar in Ajmer, Rajasthan.

प्रो. रासा सिंह रावत (अजमेर): महोदय, राजस्थान की हृदयस्थली अजमेर में स्थित ऐतिहासिक अन्नासागर झील तथा सुप्रसिद्ध तीर्थस्थल पुष्कर में स्थित पुष्कर सरोवर की वर्तमान स्थिति अत्यंत दयनीय है। विगत 4-5 वर्षों से अजमेर तथा पुष्कर क्षेत्र में बहुत कम वर्षा होने के कारण आनासागर झील तथा पुष्कर झील में पानी की आवक बहुत कम हुई है। इन झीलों के आस-पास के पहाड़ों से बहकर आने वाले छोटे-छोटे नदी नालों पर लोगों ने बहुत अतिक्रमण कर लिया है। इससे भी बहुत कम पानी इन झीलों तक पहुंच पाता है। पुष्कर सरोवर के चारों ओर 52 घाट बने हुए हैं, जिनके किनारे चारों ओर सैकड़ों मंदिर हैं, जो इस तीर्थस्थल को अनुपम छटा प्रदान करते हैं। प्रतिवर्ष कार्तिक मेले के अवसर पर लाखों यात्री यहां आकर पुष्कर सरोवर में स्नान कर अपने को पुण्य का भागी समझते हैं।

वर्षभर विभिन्न पर्वों पर पुष्कर में यात्रियों का लगातार आना-जाना लगा रहता है। विदेशी पर्यटक भी पुष्कर में बहुत बड़ी संख्या में आते हैं जिनसे विदेशी मुद्रा का अर्जन होता है। परन्तु पहाड़ों से निरंतर कटकर आने वाली मिट्टी की गाद पुष्कर सरोवर में भर गयी है तथा आस-पास के क्षेत्रों में सिंचाई के लिए कुएं से जल का दोहन करने के कारण पुष्कर सरोवर में बहुत कम पानी रह जाता है।

इसी प्रकार अजमेर की आनासागर झील के किनारे बादशाह शाहजहां द्वारा बनवाई गयी संगमरमर की बारादरी है जो भारत सरकार की देखरेख में है। आनासागर से लगा हुआ प्रसिद्ध सुभाष उद्यान, एक तरफ लक्कुश उद्यान और ऋषि उद्यान है। इन सब बाग-बगीचों और हरियाली से आनासागर की प्राकृतिक छटा देखने योग्य होती है। आनासागर के बीचोंबीच एक टापू भी है जहां तक नौका विहार किया जा सकता है, परन्तु आस-पास के क्षेत्र से अतिक्रमण होने तथा मिट्टी की गाद जमा होने से पानी की मात्रा कम हो गयी है और जो पानी बचा है, वह भी प्रदूषित है।

अतः भारत सरकार के संस्कृति एवं पर्यावरण मंत्रालय से अनुरोध है कि अजमेर की आनासागर झील तथा पुष्कर सरोवर की ऐतिहासिक, धार्मिक, सांस्कृतिक तथा पर्यटन एवं पर्यावरण संबंधी महत्व को देखते हुए इनका सुन्दरीकरण किया जाए तथा इनमें पानी की आवक सुनिश्चित की जाए और जमा मिट्टी को शीघ्र निकलवाकर इन्हें वास्तविक प्राकृतिक रूप में विकसित किया जाए जिससे इनकी सुरक्षा तथा सुव्यवस्था होकर पर्यटकों के लिए आकर्षण का स्थल बन सके।